विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा- पंचम् **तिथि- 18.08.2021**

विषय-_संस्कृत **सुमिता कुमारी**

सुप्रभात बच्चों,

आज आप सब अव्यय' के बारें में' समझेंगे |

संस्कृत व्याकरण

नवमः पाठः

अव्यय

जो शब्द तीनो लिंगो ,तीनों वचनों ,सभी विभक्तियों एवं सभी लकारों में समान रहते हैं, उन्हें अव्यय कहते हैं ।अर्थात् इनका रूप किसी परिस्थिति में परिवर्तित नहीं होता।

जैसे-अत्र(यहाँ), तत्र(वहाँ) आदि कुछ महत्वपूर्ण अव्यय निम्नलिखित हैं-

1.दिनेशः कुत्र गच्छति?

दिनेश कहाँ जाता है?

2. अत्र रमेशः वसति।

यहाँ रमेश रहता है।

3. बालकाः तत्र पठन्ति

लड़के वहाँ पढ़ते हैं।

4.त्वम् सदा पठसि।

तुम हमेशा पढ़ते हो।

5.यत्र आम्रवृक्षाः तत्र कोकिलाः।

जहाँ आम का पेड़ है ,वहाँ कोयल हैं।

6. सर्वत्र वृक्षाः सन्ति।

सब तरफ़ पेड़ है।

7.ईश्वरः सदैव रक्षति।

ईश्वर हमेशा रक्षा करते हैं।

8.झरः नीचैः वहति।

झरना नीचे बहता है।

9.शशकः तीव्रम् धावति।

खरगोश तेज दौड़ता है।

10.कच्छपः शनैः शनैः चलति।

कछुआ धीरे धीरे चलता है।

अभ्यास

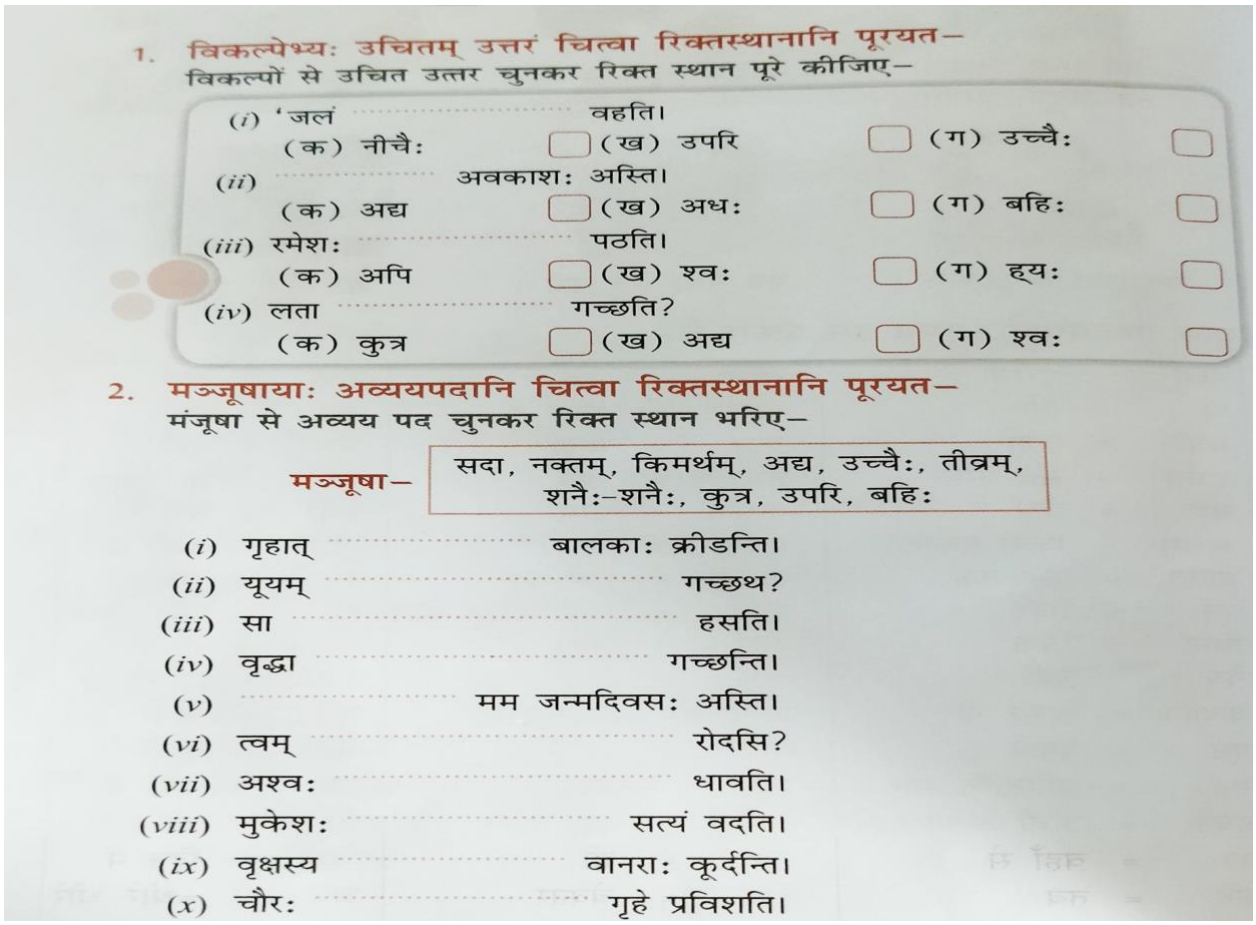

1. विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–
विकल्पों से उचित उत्तर चुनकर रिक्त स्थान पूरे कीजिए–

(i) 'जलं ..... वहति।
(क) नीचैः ☐ (ख) उपरि ☐ (ग) उच्चैः ☐

(ii) ..... अवकाशः अस्ति।
(क) अद्य ☐ (ख) अधः ☐ (ग) बहिः ☐

(iii) रमेशः ..... पठति।
(क) अपि ☐ (ख) श्वः ☐ (ग) ह्यः ☐

(iv) लता ..... गच्छति?
(क) कुत्र ☐ (ख) अद्य ☐ (ग) श्वः ☐

2. मञ्जूषायाः अव्ययपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत–
मंजूषा से अव्यय पद चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

मञ्जूषा– सदा, नक्तम्, किमर्थम्, अद्य, उच्चैः, तीव्रम्, शनैः-शनैः, कुत्र, उपरि, बहिः

(i) गृहात् ..... बालकाः क्रीडन्ति।
(ii) यूयम् ..... गच्छथ?
(iii) सा ..... हसति।
(iv) वृद्धा ..... गच्छन्ति।
(v) ..... मम जन्मदिवसः अस्ति।
(vi) त्वम् ..... रोदसि?
(vii) अश्वः ..... धावति।
(viii) मुकेशः ..... सत्यं वदति।
(ix) वृक्षस्य ..... वानराः कूर्दन्ति।
(x) चौरः ..... गृहे प्रविशति।